श्रीअप्पण्णाचार्य कृत श्रीराघवेंद्राष्टोत्तर शतनामावळिः

1. ओं श्रीराघवेंद्राय नमः
2. ओं सकलप्रदात्रे नमः
3. ओं क्षमासुरेंद्राय नमः
4. ओं स्वपादभक्त-पापाद्रिभेदन-दृष्टिवज्राय नमः
5. ओं हरिपादपद्म-निषेवणाल्लब्ध-सर्वसंपदे नमः
6. ओं देवस्वभावाय नमः
7. ओं दिविजद्रुमाय नमः
8. ओं भव्यस्वरूपाय नमः
9. ओं सुखधैर्यशालिने नमः
10. ओं दुष्टग्रहनिग्रहकर्त्रे नमः
11. ओं दुस्तिर्णोपप्लव-सिंधुसेतवे नमः
12. ओं विद्वत्परिज्ञेय-महाविशेषाय नमः
13. ओं संतानप्रदायकाय नमः
14. ओं तापत्रयविनाशकाय नमः
15. ओं चक्षुप्रदायकाय नमः
16. ओं हरिचरणसरोज-रजो-भूषिताय नमः
17. ओं दुरितकाननदवभूताय नमः
18. ओं सर्वतंत्रस्वतंत्राय नमः
19. ओं मध्वमतवर्धनाय नमः

20. ओं सततसन्निहिताशेष-देवता-समुदायाय नमः
21. ओं श्रीसुधींद्रवरपुत्रकाय नमः
22. ओं वैष्णवसिद्दांतप्रतिष्ठापकाय नमः
23. ओं यतिकुलतिलकाय नमः
24. ओं ज्ञानभक्ति-आयुरारोग्य-सुपुत्रादिवर्धनाय नमः
25. ओं प्रतिवादिमातंग-कंठीरवाय नमः
26. ओं सर्वविद्याप्रवीणाय नमः
27. ओं दया-दाक्षिण्य-वैराग्यशालिने नमः
28. ओं रामपादांबुजासक्ताय नमः
29. ओं रामदासपदासक्ताय नमः
30. ओं रामकथासक्ताय नमः
31. ओं दुर्वादिध्वांतरवये नमः
32. ओं वैष्णवेंदीवरेंदवे नमः
33. ओं शापानुग्रहशक्ताय नमः
34. ओं अगम्यमहिम्ने नमः
35. ओं महायशसे नमः
36. ओं मध्वमतदुग्धाब्धिचंद्रमसे नमः
37. ओं पद-वाक्य-प्रमाण-पारावार-पारंगताय नमः
38. ओं योगींद्रगुरुवे नमः
39. ओं मंत्रालयनिलयाय नमः

40. ओं परमहंस-परिव्राजकाचार्याय नमः

41. ओं समग्रटीकाव्याख्याकर्त्रे नमः

42. ओं चंद्रिकाप्रकाशकारिणे नमः

43. ओं सत्याधिराजगुरुवे नमः

44. ओं भक्तवत्सलाय नमः

45. ओं प्रत्यक्षफलदाय नमः

46. ओं ज्ञानप्रदायकाय नमः

47. ओं सर्वपूज्याय नमः

48. ओं तर्कतांडवव्याख्यात्रे नमः

49. ओं कृष्णोपासकाय नमः

50. ओं कृष्णद्वैपायनसुहृदे नमः

51. ओं आर्यानुवर्तिने नमः

52. ओं निरस्तदोषाय नमः

53. ओं निरवद्यवेषाय नमः

54. ओं प्रत्यर्थिमूकत्वनिधानभाषाय नमः

55. ओं यमनियमासन-प्राणायाम-प्रत्याहार-ध्यानधारण- समाध्यष्टांगयोगानुष्ठान-नियमायनमः

56. ओं सांगाम्नायकुशलाय नमः

57. ओं ज्ञानमूर्तये नमः

58. ओं तपोमूर्तये नमः

59. ओं जपप्रख्याताय नमः
60. ओं दुष्टशिक्षकाय नमः
61. ओं शिष्टरक्षकाय नमः
62. ओं टीकाप्रत्यक्षरार्थप्रकाशकाय नमः
63. ओं शैवपाषंडध्वांतभास्कराय नमः
64. ओं रामानुजमतमर्दकाय नमः
65. ओं विष्णुभक्ताग्रेसराय नमः
66. ओं सदोपासितहनुमते नमः
67. ओं पंचभेदप्रत्यक्षस्थापकाय नमः
68. ओं अद्वैतमूलनिकृंतनाय नमः
69. ओं कुष्ठादिरोगनाशकायु नमः
70. ओं अग्र्यसंपत्प्रदात्रे नमः
71. ओं ब्राह्मणप्रियाय नमः
72. ओं वासुदेवचलपरिमाय नमः
73. ओं कोविदेशाय नमः
74. ओं वृंदावनरूपिणे नमः
75. ओं वृंदावनांतर्गताय नमः
76. ओं चतुरूपाश्रयाय नमः
77. ओं निरीश्वरमतनिवर्तकाय नमः
78. ओं संप्रदायप्रवर्तकाय नमः

79. ओं जयराजमुख्याभिप्रायवेत्रे नमः
80. ओं भाष्यटीकाद्यविरुद्धग्रंथकर्त्रे नमः
81. ओं सदा स्वस्थानक्षेमचिंतकाय नमः
82. ओं काषायचैलभूषिताय नमः
83. ओं दंडकमंडलुमंडिताय नमः
84. ओं चक्ररूपहरिनिवासाय नमः
85. ओं लसदूर्ध्वपुंड्राय नमः
86. ओं गात्रधृतविष्णुधराय नमः
87. ओं सर्वसज्जनवंदिताय नमः
88. ओं मायिकर्मंदिमदमर्दकाय नमः
89. ओं वादावल्यर्थवादिने नमः
90. ओं सांशजीवाय नमः
91. ओं माद्यमिकमतवनकुठाराय नमः
92. ओं प्रतिपदं प्रत्यक्षरं भाष्यटीकार्थग्राहिणे नमः
93. ओं अमानुषविग्रहाय नमः
94. ओं कंदर्पवैरिणे नमः
95. ओं वैराग्यनिधये नमः
96. ओं भाट्टसंग्रहकर्त्रे नमः
97. ओं दूरीकृतारिषड्वर्गाय नमः
98. ओं भ्रांतिलेशविदुराय नमः

99. ओं सर्वपंडितसम्मताय नमः

100. ओं अनंतवृंदाविननिलयाय नमः

101. ओं स्वप्नभाव्यर्थवक्त्रे नमः

102. ओं यथार्थवचनाय नमः

103. ओं सर्वगुणसमृद्धाय नमः

104. ओं अनाद्यविच्छिन्न-गुरुपरंपरोपदेश-लब्धमंत्रजप्त्रे नमः

105. ओं धृतसर्वव्रताय नमः

106. ओं राजाधिराजाय नमः

107. ओं गुरुसार्वभौमाय नमः

108. ओं श्रीमूलरामार्चक-श्रीमद्राघवेंद्रयतींद्राय नमः

|| इति श्रीमदप्पण्णाचार्य कृत

श्रीराघवेंद्राष्टोत्तरशतनामावळि: समाप्ता:||